दो अतिरिक्त मुख्य गैस कंप्रेशन कंपलेक्स अर्थात् एच०एज०आर एन०बी० के चालू होने तथा तटवर्ती क्षेत्र तक इस गैस के परिवहन होने से 1986 में बंबई हाई क्षेत्र से संबद्ध गैस के जलाने में महत्वपूर्ण कमी होगी ।

(ग) वास्तव में तेल और गैस के अन्वेषण के लिए भारत के सभी तलछटी बेसिनों को भूवैज्ञानिक सर्वेक्षणों के अंतर्गत लाया गया है। केम्बे, अपर असम, असम-अराकान (त्रिपुरा), राजस्थान, कच्छ, कृष्णा-गोदावरी कावेरी, बंबई तथा अंडमान बेसिनों में प्राकृतिक गैस के भंडारों का पता लगाया गया है।

अन्वेषण का कार्य लगातार चलने वाली प्रक्रिया है तथा और विस्तृत भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण इस समय किये जा रहे हैं तथा भविष्य में करने की योजना है ।

Sick State Electricity Boards

479. PROF. C. LAKSHMANNA: Will the Minister of ENERGY be pleased to state:

(a) whether it is a fact that a large number of State Electricity Boards are sick due to mis-management and that their generation and transmission of power is much below their capacities; and

(b) if so, what steps are being taken by Government to improve the working of the sick State Electricity Boards?

THE MINISTER OF ENERGY (SHRI VASANT SATHE): (a) The performance of some of the State Electricity Boards in terms of financial management, utilisation of generating capacity, transmission and distribution losses etc. is not good.

(b) In order to improve the performance of these State Electricity Boards, a number of measures are being implemented by the State Government on the advice of the Central Government which include reduction of transmission and distribution losses, improvement in project implementation, better capacity utilisation, systematic man-power planning and training etc. A centrally sponsored renovation and modernisation scheme for improving the performance of 36 thermal power stations is also being implemented.

भारत हैवी इलैक्ट्रिकल लिमिटेड के हैदराबाद स्थित एकक में आर्थिक अपराध

480. श्री हुकमदेव नारायण यादव : क्या उद्योग मंत्री 2 दिसम्बर, 1985 को राज्य सभा में अतारांकित प्रश्न सं० 140-96 के दिये गये उत्तर को देखेंगे और यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भारत हैवी इलैक्ट्रिकल लिमिटेड के हैदराबाद स्थित एकक में यात्रा भत्ता और छुट्टी यात्रा रियायत (एल०टी०सी०) के झूठे दावे के कितने मामले पकड़े गये और प्रत्येक मामले में कितने रुपये का भुगतान किया गया तथा इस घोटाले के अंतर्ग्रस्त पाये गये व्यक्तियों के नाम और पते क्या-क्या हैं और उनके विरुद्ध की गई कार्यवाही का ब्यौरा क्या है ?

(ख) जिन 2 कार्यकारी अधिकारियों और 237 गैर-कार्यकारी अधिकारियों को दोषी पाया गया था उनके विरुद्ध की गई कार्यवाही का ब्यौरा क्या है और चोरी गये माल का मूल्य कितना था तथा उन्हें गिरफ्तार किया गया था या नहीं ;

(ग) क्या सभी 390 शिकायतों की जांच की गई थी, यदि हां, तो कितने व्यक्तियों के विरुद्ध आरोप तैयार किये गये और कितने व्यक्तियों के विरुद्ध कार्यवाही की गई है तथा कितने व्यक्तियों को छोड़ दिया गया; और

(घ) क्या यह सच है कि संस्था के प्रधान और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के विरुद्ध लगाये गये आरोपों की जांच नहीं की गई, यदि हां, तो उसके क्या कारण है ?